Session Trial Case No. 40/2022

Witness No. ----13---- for **अभियोजन साक्षी** Deposition taken on **03/08/2024** .... day of ...**शनिवार.** witness's apparent age **49**. States on affirmation....**शपथपूर्वक**.. my Name is **डॉ0 शिवनारायण मांझी** Son of/Wife of .... **श्री मोहनलाल मांझी** Occupation **वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी** Address **फोरेंसिंक विभाग चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर , जिला–रायपुर, (छ.ग.)**

टीप– साक्षी को जिला न्यायालय रायपुर से वी0सी0 के माध्यम से जोडकर उनका साक्ष्य प्रारंभ किया गया।

–: मुख्यपरीक्षण द्वारा सुश्री शाहीन अली हाशमी, अपर लोक अभियोजक वास्ते राज्यः–

01- मै वर्ष 2003 से वर्तमान समय तक मै वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर फोरेंसिक विभाग, चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर मे पदस्थ हूॅ।

02- पदस्थापना के दौरान दिनांक 15-07-2021 को शांय 4.45 बजे थाना रूद्री जिला धमतरी के महिला पुलिस आरक्षक सोनिया साहू के द्वारा मृतिका कु० पूर्णिमा मंडावी पिता गिरधारी मंडावी उम्र 21 वर्ष ग्राम चिटौद थाना गुरूर जिला बालोद के शव को मेरे समक्ष लाया गया था। शव की पहचान भूपेन्द्र मंडावी, अचल मंडावी तथा महिला आरक्षक सोनिया साहू क्र० 480 के द्वारा किया गया था।

03- मैने शव परीक्षण कार्य शाम 4.50 बजे प्रारंभ किया था जिसके बाद परीक्षण में पाया कि शव सामान्य कद काठी महिला का था जो हरे लाईनिंग की कुर्ती पहनी हुई थी, ब्लेक कलर की लेगिस तथा अंडरवियर पहनी हुई थी। सभी कपडे डिकंपोज्ड तरल पदार्थ से सनी हुई थी। शव सडन

के मध्यम अवस्था मे थी। चेहरा पहचानने लायक था। बाये तरह के चेहरे की तरफ की चमडी साबूत थी। मृत्यु के पश्चात की अकडन मौजूद नही थी। हाईपोस्टेसिस शरीर के पृष्ठ भाग में मौजूद थी। दोनो होठ सुजे हुये थे। बांयी आंख सामान्य अवस्था से बाहर निकली हुई थी तथा दोनो आंखो के आंईलिड बंद थे। दाहिना आंख पिचक गयी थी। दोनो आंख की पुतलिया धुंधली हो चुकी थी। शरीर की चमडी उपरी पर्ते कई जगह से निकली हुई थी।

04- सड़न के कारण मार्बलिग प्रभाव, छाती ,हाथ तथा पैरो में मौजूद थी। जीभ दांत से 2 से०मी० बाहर की ओर निकली हुई थी। सिर के बाल आसानी से खिचने में निकल रही थी। ऐनल केनाल अंदर की ओर था। 1 से 2 से०मी० आकर के कीड़े शरीर पर मौजूद थे, परंतु मुंह तथा गुप्तांग वाले भाग में कीड़े ज्यादा मौजूद थे। सिर तथा गले की संरचनाए दिखाई दे रही थी, परंतु गले के पीछे तथा लेटरल भाग में चमड़ी मौजूद थी।

05- **<u>लाईगेचर मटेरियल-</u>** मल्टी कलर की चुनरी फांसी के फंदे के तौर पर शरीर के साथ भेजा गया था जिसकी गोलाई 5 से०मी० थी। फांसी के फंदे की गोलाई 28 से०मी० थी तथा एक लंबे छोर की लंबाई 28 इंचेज तथा छोटे छोर की लंबाई 8.5 इंच थी। यह चुनरी मृतिका के शरीर के वजन को सहने के लिये पर्याप्त थी।

06- **<u>लाईगेचर मार्क-</u>** कंटीयुजन ,एब्रेजन सुखी हुई चमड़ी लाईगेचर मार्क के रूप मे गले की पूरी भाग में मौजूद थी, जो गले के बांये ओर तथा पीछे की ओर घुमा हुआ था। यह निशान बांये एंगल आफमेंडिबल से ठीक नीचे होते हुये पीछे की ओर बांये मस्टाईड के उपर समाप्त हो गया था। इसी प्रकार गले के दाहिने तरफ 4 से०मी०नीचे एंगल आफ मेंडिबल भाग से होते हुये 6 से०मी० दाहिने मस्टाईड से नीचे पीछे की ओर घुमा हुआ था। फासी के फंदे के निशान के नीचे चमड़ी के साफ्ट टिशू सुखे सफेद तथा

पर्समेंटाईज्ड हो गया था तथा इसके किनारे पर लाल रंग का ईकाईमोसेस मौजूद था, जो फासी के फंदे का निशान मृत्यु पूर्व होना इंगित कर रहा था।

07– **<u>आंतरिक परीक्षण–</u>** आंतरिक परीक्षण मे मैने पाया कि खोपडी ,कपाल, कसेरूका ,सडे हुये भाग के अलावा अन्य दूसरे भाग साबूत थे। मष्तिष्क एवं मेरूरज्जु पिलपीला हो गया था। वक्ष वाले भाग में पर्दा,पसली, कोमलस्व साबूत थे। कंठ एवं श्वासनली में भूरे रंग का सड़ा तरल पदार्थ मौजूद था। दोनो फेफडे सड़न के कारण मुलायम हो चुका था। हृदय के दाहिने भाग में खून मौजूद था तथा बांये भाग खाली था। उदर वाले भाग में पर्दा, आंतो की झिल्ली मुलायम हो चुका था। खाने की थैली में 30 मि०लि०ग्रे तरल पदार्थ मौजूद था तथा इसकी आंतरिक झिल्ली मुलायम थी । छोटी आंत में पचा हुआ भोजन एवं बड़ी आंत मे मल पदार्थ एवं गैस मौजूद थी।

08– यकृत सड़न के कारण मुलायम हो चुका था। प्लीहा पिलपीलापन लिये हुये था । दोनो गुर्दे सड़न के कारण मुलायम हो चुका था तथा लालिमा लिये हुये था। मुत्राशय खाली तथा साबूत था। भीतरी तथा बाहरी जनेन्द्रियां में दोनो लेबिया साबूत थे। हाईपन कई जगह से पुराना फटा हुआ था तथा वेजाईनल केनाल में 1से2से०मी० के कीड़े मौजूद थे। गर्भाशय सड़न के कारण नीचे निकला हुआ था एवं नान ग्रविड था।

09– मैने शव के साथ दिये गये लाईगेचर मटेरियल को शव के साथ सुरक्षित कर लाये हुये आरक्षक को शीलबंद कर ,मृतिका के पहने हुये कपडो को सुरक्षित कर, स्परमेंटोजोआ एवं सीमन की रासायनिक जांच की सलाह दिया था। मृतिका के गुप्तांग से दो वैजाईनल स्मियर स्लाईड तैयार कर सुरक्षित कर सीमेन तथा स्पर्म की मौजुदगी की रासायनिक जांच की सलाह दी थी तथा सभी को अलग अलग पैकेटो में बंद कर शील बंद कर उसी आरक्षक शील नमूना सहित सौप दिया था।

10– **<u>अभिमत–</u>** मेरे मतानुसार मृतिका की मृत्यु फांसी से हुई थी। मृतिका की मृत्यु की अवधि मेरे शव परीक्षण के 5–7 दिन के भीतर की थी। मेरे द्वारा दिया गया शव परीक्षण प्रतिवेदन प्र०पी० 25 है जिसके अ से अ भाग पर मेरा हस्ताक्षर है।

<u>–: प्रतिपरीक्षण द्वारा सुश्री पार्वती वाधवानी अधिवक्ता वास्ते अभियुक्तः–</u>

11- कुछ नही।

साक्षी को उसका कथन पढ़कर सुनाया गया। **मेरे निर्देशन में टंकित किया गया।**

उसने सही होना स्वीकार किया।

{शैलेश कुमार तिवारी}
अपर सत्र न्यायाधीश
धमतरी (छ0ग0)

{शैलेश कुमार तिवारी}
अपर सत्र न्यायाधीश
धमतरी (छ0ग0)

गवाह के हस्ताक्षर

"The foregiong deposition was taken in the presence of the accused who had an opportunity of cross-examining the wintness. The deposition was explained to the accused and was attested by me in his presence".

{शैलेश कुमार तिवारी}
अपर सत्र न्यायाधीश
धमतरी (छ0ग0)